

काव्यकावेरी : अनुक्रमः

पुरोवाक्	iii
समर्पणा	v
प्रस्तावना	vii
प्रथमस्तरङ्गः (ऋतुकीर्तयः)	1
1. कुसुमाकरकौतुकानि	3
2. किं किं चिकीर्षति सखे कुटिलो निदाघः	5
3. वृष्टिविलासः	10
4. शीतर्तुसुषमा	15
5. वसन्तविलासः	19
द्वितीयस्तरङ्गः (प्रकीर्णस्फूर्तयः)	21
1. कविता	23
2. किं न करोति काव्यम्	26
3. सुपात्रे सतां धीमतां पक्षपातः	28
4. कान्दिशीकता	31
5. मानवतामणिः	33
6. भुवि कल्पवृक्षः	37
7. नवनवनवानां कलकलः	40

8. संस्कृतवर्षम्	42
9. रक्षाबन्धनम्	44
10. संस्कृतदिवसः	47
11. हे मित्र प्रतिभे	49
12. मित्रं प्रति पत्रम्	51
13. सखे शुभजन्मदिवसस्ते	55
14. अपहरणम्	57
15. प्रिन्सोद्धृतिः	60
16. शार्दूलविक्रीडितम्	62
17. प्रभातं ब्रुवे	64
18. आलोकविधुरा दीपशिखा	66
19. अभिनवः वार्षिकमहोत्सवः	70
20. यामिनी याति यूनाम्	73
तृतीयस्तरङ्गः (मुक्तकमूर्तयः)	75
1. आलस्यम्	77
2. अपव्ययः	77
3. विजया दशमी	78
4. असतोऽन्यूनता सतः	78
5. नव्यवर्षम्	79
6. कृपालता काऽपि	79
7. समागतं वर्षम्	79
8. अयि अमले	80

9. पुष्पोपमः पुष्पितः	80
10. काऽपि चिकित्सतात्	81
11. त्वां विना	81
12. भोगीन्द्रभूषं भज	81
13. श्रीशारदा पातु	82
14. कालिका पालिका स्यात्	83
15. देवदेवः	83
16. रूपं सरस्वति तव	84
17. तनुतेऽतनु मङ्गलम्	84
18. कारुण्यसमुद्रसेतुः	85
19. विभावय एकदन्तम्	85
20. अतुला शक्तिः	86
21. कलये प्रियमानसाम्	86
22. वीतः किं सविताऽपि	86
23. वीणा	87
24. गुणकिङ्करी दृक्	88
25. गगनवाणी	88
26. संगमनी	89
27. कृपां न चेत्तनुषे	89
28. काञ्चित् स्मरामि	90
29. दीपावली	90
30. भातृद्वितीया	91

31. ईदपर्व	91
32. षष्ठ्युपास्यो विजयते	92
33. भारतीयां भुवं भजे	92
34. वाक्यपदीयम्	93
35. स्वामिन्नमस्ते	93
36. निवसन्ति सन्तः	94
37. मूषकराजराज	94
38. चालकचूडामणे जयसि	95
39. चतुरधिकद्विसहस्रवर्षम्	96
40. कस्मैचन नमस्तस्मै	96
41. कलये सदैकरदनम्	97
42. मोदकं दधतं भजे	97
43. परमानन्दमिलिन्दः	97
44. बद्धिं विदध्वं बुधाः	98
45. विद्यायाश्चरितार्थता	98
तुरीयस्तरङ्गः (समस्यापूर्तयः)	99
1. देशभक्तिः	101
2. भारतश्रीः	101
3. धन्याऽऽमदीया धरा	102
4. राजनीतिः	102
5. सूचनाप्रौद्योगिकी	103
6. कलया कलयामहे	103

7. नो विस्मयो न स्मयः	104
8. धन्यो धरित्रीसुतः	104
9. मान्यो हि मान्यागमः	105
10. शिखरिणी	105
11. युद्धादसिद्धं वचसैव सिद्धम्	106
12. सुधाकरेणापि सुधाकरेण	106
13. राजस्थली राजते	107
14. भारो महान् कुलपतेरधुनाऽधिविश्वम्	107
15. कुलसचिवकुशाग्रप्रज्ञया पालितोऽयम्	108
16. सेव्यः शिक्षादानदीरः सुधीरः	108
17. छात्रसंघः समेधताम्	109
18. देदीप्यते दर्शनम्	109
19. काकेभ्यो दधि रक्ष्यताम्	110
20. वक्तव्यं किमु तत्र	111
21. सन्ति सन्तः कियन्तः	112
22. जीवनम्	112
23. नभोमण्डलम्	113
24. लोकसभाप्रभावः	113
25. नरो न रोचते	114
26. संसेव्यतां संस्कृतम्	114
27. आतङ्कवादो मतः	115
28. उग्रवादो न शस्यते	115

29. आनन्दरूपं नुमः	116
30. शुक्लः कृष्णायते कथम्	116
31. कृष्णः शुक्लायते कथम्	116
32. किं कथ्यताम्	117
33. वर्षर्तुसुषमाऽसमा	117
34. कुलपतिः कुशलः कुलपालने	118
35. कल्पद्रुमः	119
36. किङ्करः किं करिष्यति	119
37. वाणी	120
38. स्वतन्त्रतातुल्यसुखं न विद्यते	120
39. रे मेघ दग्धं वनम्	121
40. पाणिनिः	121
41. दक्षिणामूर्तिमीडे	122
42. कोऽपि कोपितः	123
43. मन्दाकिनी	123
44. वसुधायाम्	124
45. कथं स्यात् संस्कृतोन्नतिः	124
46. सर्वथा सरला श्रुतिः	125
47. श्रीशारदा सेव्यताम्	125
48. नाऽन्या गतिः	126
49. यत्नः समाधीयताम्	128
50. वाणी	129

51. नन्दन्ति योगीश्वराः	130
52. तेभ्यो महद्भ्यो नमः	131
53. दृष्टिबाणाः पतन्ति	132
54. तद् दर्शनं दर्शनम्	132
55. सुखं शेरते	133
56. अग्रेसरः केसरी	133
57. प्राप्ते नवे यौवने	134
58. नेता	135
59. नतोऽस्मि	135
60. मण्डूका अपि भाययन्ति भुजगं संख्याबलादात्मनाम्	136
61. चुम्बति चन्द्रबिम्बम्	137
62. रसिकता सिकतेव वृथायते	138
63. मघवतो नगरी न गरीयसी	140
64. सिन्दूरविन्दुर्विधवाललाटे	141
65. संस्तूयतां शासनम्	141